Vastuland.com
Info@vastuland.com

Nagpur :: Mumbai :: Indore :: Jabalpur :: Bilaspur :: Bhopal

Vastu land
The Land Bank
An ISO 9001:2000 Certified Company

दैनिक भास्कर | इंदौर
शनिवार 11 जुलाई, 2009

सिटी भास्कर

एजुकेशन भास्कर
पीएटी टॉप टेन में इंदौर से पांच ...21
www.bhaskar.com

जनवरी से एसी सिटी बस

चंद महीनों बाद शहर की सड़कों पर विदेशों की तरह ऑटोमेटिक गेट वाली एयर कंडीशन सिटी बस नजर आएंगी। फिलहाल 20 एसी बस चलाई जाएंगी, जिनके रूट और स्टॉप अलग होंगे। तीन दिन में ड्राइवर-कंडक्टर की मॉनिटरिंग के लिए हेल्प लाइन नंबर शुरू किया जा रहा है।

गजेंद्र विश्वकर्मा | इंदौर

देशभर में नाम कमा चुकी इंदौर की सिटी बस सर्विस से जल्द ही एक नई खूबी जुड़ने जा रही है। जनवरी महीने से शहर की सड़कों पर एयर कंडीशन सिटी बस दौड़ेंगी। मेट्रो टैक्सी भी सिर्फ शहर में ही नहीं पूरे प्रदेश में कहीं भी ले जाई जा सकेगी। शहरवासियों के लिए एक और अच्छी खबर है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आई बढ़ोतरी के बावजूद फिलहाल सिटी बस और मेट्रो टैक्सी के किराए में किसी तरह की वृद्धि नहीं की जा रही है।

तीन दिनों में सभी बसों में कंडक्टर और ड्राइवर के व्यवहार को मॉनिटरिंग करने और परेशानियों को जानने के लिए इंदौर ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड हेल्प लाइन नंबर शुरू करने जा रहा है। इससे कंडक्टर और ड्राइवर के व्यवहार में बदलाव आएगा और यात्रियों के हिसाब से सिस्टम में चेंज किया जाएगा।

संदेश रूप : एसी सिटी बस चलाने के साथ शहर की सड़कों से पुरानी बसें भी हटाई जाएंगी।

नहीं बढ़ेगा किराया - डीजल-पेट्रोल की कीमतें बढ़ने के बावजूद सिटी बस और मेट्रो टैक्सी के किराए में कोई फर्क नहीं आएगा। नई मेट्रो टैक्सी को और अधिक आरामदायक और सुविधाजनक बनाने के बाद भी आईसीटीएसएल का किराया बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है। जनवरी से शुरू होने जा रही 20 एसी सिटी बसों के किराए में मामूली फर्क आएगा।

आधे समय में पहुंच जाएंगे- एसी सिटी बसों को व्यवस्थित चलाने के लिए अलग से टाइम शेड्यूल बनेगा। इनके स्टॉप निश्चित होंगे। बसें बीच रास्ते में नहीं रुकेंगी। मुख्य स्टॉप पर ही रुकने से यात्री सामान्य सिटी बस के मुकाबले जल्दी गतंव्य तक पहुंच सकेंगे। ऑटोमेटिक गेट मुख्य स्टॉप पर ही खुलेंगे, जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा भी नहीं रहेगा।

100 शहर में और 50 बाहर रहेंगी - समाज के उच्च वर्ग की डिमांड को देखते हुए शहर से पूरे प्रदेश में कही भी जाने के लिए मेट्रो टैक्सी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। प्रशासन का मानना है इस समय शहर के हिसाब से मेट्रो टैक्सी की संख्या काफी कम है। 100 नई टैक्सी में से 50 शहर के लिए फिक्स कर दी जाएगी, बाकी को बाहर भेजा जाएगा।

कही भी घूमने जा सकेंगे - ऐसे परिवार जो अकसर मेट्रो टैक्सी का उपयोग किया करते हैं, उनमें से अधिकतर बाहर घूमने के लिए ज्यादा सीटों वाली मेट्रो टैक्सी चाहते हैं। सूर्यदेव नगर की मीना शर्मा कहती हैं, मेट्रो टैक्सी से शहर में घूमना आरामदायक हो गया है। प्रदेश के अन्य शहरों तक शुरू हो जाएगी तो [illegible] अच्छा होगा।

परमिट है, सिर्फ टैक्सी का इंतजार

मारुति सुजुकी की एसएक्स4 मेट्रो टैक्सी में वैसे कोई परेशानी नहीं है लेकिन टेंडर के हिसाब से कंपनी का चयन होगा। जनवरी से नई सिटी बसें और टैक्सी शुरू हो जाएंगी। इसके किराए में कोई बदलाव करने का विचार नहीं है। प्रदेश के लिए टैक्सी का परमिट है, जल्द ही इसे शुरू कर दिया जाएगा।

गौतम सिंह, सीईओ, आईसीटीएसएल

पुरानी बसें बदलेंगे

शहर को ट्रांसपोर्ट की बेहतर सर्विस के लिए प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत सारी पुरानी बसों की जगह नई बसें चलाए जाएंगी। मेट्रो टैक्सी का दायरा बढ़ाया जा रहा है। इसमें उज्जैन, मांडू, पचमढ़ी और भोपाल समेत प्रदेश के अधिकतर शहरों तक टैक्सी पहुंचाई जाएगी।

राकेश श्रीवास्तव, कलेक्टर, इंदौर